अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 जोखिम की सड़कें
4 किशमिश के पानी से पाएं दमकती त्वचा, बस इस तरह.....
7 मध्यान्ह भोजन योजना के क्रियान्वयन में न आएँ बाधाएँ

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 08 अंक-38 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 20 सितम्बर से 26 सितम्बर 2022 पृष्ठ-8 मूल्य -2

ईडी की एक और बड़ी कार्रवाई, पार्थ चटर्जी और सहयोगी की 48 करोड़ की संपत्तियां जब्त

सीबीआई ने शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर एक बड़ा एक्शन लिया है। एजेंसी ने स्कूल सर्विस कमीशन के पूर्व चेयरमैन एस भट्टाचार्य को अरेस्ट किया है। वो फिलहाल नॉर्थ बंगाल विवि के वाइस चांसलर हैं।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की कैबिनेट में अहम मंत्री रह चुके पार्थ चटर्जी पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने पार्थ और उनकी सहयोगी की 48 करोड़ की संपत्ति अटैच कर ली है। दावा किया गया है कि ये सारी संपत्ति पार्थ चटर्जी और उनकी नजदीकी के नाम है। दोनों अभी जेल में बंद हैं। इस मामले में ईडी अभी तक 103.10 करोड़ की संपत्ति अटैच कर चुकी है।

उधर सीबीआई ने शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर एक बड़ा एक्शन लिया है। एजेंसी ने स्कूल सर्विस कमीशन के पूर्व चेयरमैन एस भट्टाचार्य को अरेस्ट किया है। वो फिलहाल नॉर्थ बंगाल विवि के वाइस चांसलर हैं।

शिक्षक भर्ती घोटाले में ईडी ने ममता सरकार के मंत्री पार्थ चटर्जी पर शिकंजा कसा था। एजेंसी को शिकायत मिली थी कि भर्ती के नाम पर जमकर लूट खसोट की गई। आरंभिक जांच के बाद ईडी ने पार्थ की नजदीकी अर्पिता मुखर्जी के एक ठिकाने पर रेड की तो लोग भी भौचक रह गए। उनके घर से 20 करोड़ से ज्यादा कैश बरामद किया गया। उसके बाद अर्पिता को अरेस्ट किया गया।

ईडी ने इस मामले में बाद में पार्थ को भी अरेस्ट कर लिया। छानबीन के दौरान ही ईडी ने अर्पिता मुखर्जी के दूसरे फ्लैट पर छापा मारा तो वहां से भी 20 करोड़ से ज्यादा की रकम बरामद की गई। दोनों जगहों से रेड के बाद तकरीबन 52 करोड़ रुपये का कैश एजेंसी ने पकड़ा। फिलहाल दोनों जेल में ही बंद हैं।

हालांकि पार्थ चटर्जी का कहना है कि वो इस मामले में दोषी नहीं हैं। उन्हें साजिश के तहत शिकार बनाया गया। कुछ दिनों पहले वीडियो कांफ्रेंसिंग से पेशी के दौरान पार्थ और अर्पिता दोनों के आंसू तक छलक आए थे। उनका कहना था कि दोनों ने कुछ भी गलत नहीं किया लेकिन सजा भुगतनी पड़ रही है।

उधर ईडी का आरोप है कि पार्थ चटर्जी ने अर्पिता के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर धांधली की। ऐसे लोगों को शिक्षक बना दिया गया जो जरूरी योग्यता भी पूरी नहीं करते थे। भर्ती घोटाले में सरकार में शामिल बहुत से लोगों का हाथ बताया जा रहा है। ईडी का कहना है कि सारे घोटाले का मास्टर माइंड पार्थ है। अर्पिता उसके साथ इस सारे गोरखधंधे में बराबर

शामिल रही। यही वजह है कि कभी दोयम दर्जे की अभिनेत्री रही अर्पिता के घर से करोड़ों मिले।

विपक्षी एकजुटता को अरविंद केजरीवाल का झटका!

2024 के चुनावों में अकेले उतरने के दिए संकेत

मनीष सिसोदिया ने ट्वीट किया, आप मात्र 10 साल पुरानी और भारत के इतिहास में सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ रही पार्टी है। इस रफ्तार और लोकप्रियता के कारण ही भाजपा केजरीवाल जी और आप से डरती है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 2024 के आम चुनावों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के के खिलाफ गठबंधन बनाने के विपक्षी दलों के प्रयासों को झटका देते हुए रविवार को संकेत दिया कि उनकी पार्टी इस तरह के किसी गठबंधन का हिस्सा नहीं होगी।

आम आदमी पार्टी खुद को बीजेपी के विकल्प के तौर पर पेश कर रही है। फिलहाल, पार्टी का पूरा फोकस फिलहाल गुजरात विधानसभा चुनाव पर है। अरविंद केजरीवाल ने रविवार को पार्टी के सदस्यों से 'मेक इंडिया नंबर 1' अभियान के माध्यम से भारत के 130 करोड़ नागरिकों का गठबंधन बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा।

उन्होंने दावा किया कि गुजरात में आप की बढ़ती लोकप्रियता ने भाजपा को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के लोग 75 साल पहले ब्रिटिश साम्राज्यवाद को खत्म करने के लिए एकजुट हुए थे। इसी तरह, हमें भारत को दुनिया में 'नंबर वन' बनाने के लिए देश के लोगों को एक साथ लाना होगा।

आप की बढ़ती लोकप्रियता से डरी भाजपा

दिल्ली में आयोजित निर्वाचित प्रतिनिधियों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में रविवार अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के संबंध में आप की रणनीति के बारे में सवाल पूछे जाते हैं। मुझे जोड़-तोड़ का गणित समझ में नहीं आता है। इसके साथ ही आप संयोजक ने पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता को रोकने के लिए आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ झूठे मामले गढ़ने के लिए प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, जो लाल क़िले से कहते हैं कि मैं भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ लड़ रहा हूं, वो भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ नहीं, आप के ख़िलाफ़ लड़ रहे हैं।

राहुल को अध्यक्ष बनाने पर 5 राज्यों में प्रस्ताव पास

राहुल इनकार कर चुके, लेकिन सवालों पर चुनाव लड़ने से मना भी नहीं किया

राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़ के बाद बिहार और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी ने राहुल गांधी को पार्टी की कमान सौंपने के संबंध में प्रस्ताव पास किया है। कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के लिए 23 सितंबर को अधिसूचना जारी होगी, जबकि 17 अक्टूबर को चुनाव प्रस्तावित है। हालांकि पार्टी के भीतर अब तक किसी एक नाम को लेकर सहमति नहीं बनी है।

राहुल ने कहा था- चुनाव बाद इस पर बात करूंगा

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान 9 सितंबर को तमिलनाडु में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल ने कहा कि वे चुनाव लड़ेंगे या नहीं, इस पर बाद में बात करेंगे। उन्होंने आगे कहा- मैंने इस पर अपना फैसला कर लिया है, मेरे मन में अब कोई भ्रम नहीं है। चुनाव नहीं लड़ा, तो आपको इसकी वजह भी बता दूंगा।

टीबी मुक्त भारत- मोदी सरकार ने शुरू किया टीबी मरीज गोद लेने का अभियान

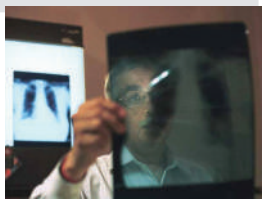

सरकार का कहना है कि इस अभियान में गोद लेने के लिए लगभग 9.57 लाख रोगियों की स्वीकृति मिल चुकी है। टीबी मरीज को गोद लेने वाले लोगों और संस्थाओं को निक्षय मित्र के नाम से जाना जाएगा।

मोदी सरकार ने निक्षय मित्र अभियान के जरिए 2025 तक टीबी को खत्म करने का लक्ष्य रखा है। इस अभियान के अंतर्गत मोदी सरकार ने टीबी मरीजों को गोद लेने को बढ़ावा दिया है। इसके तहत ब्लॉक, जिलों या एक व्यक्तिगत मरीज को गोद लेकर उसका संरक्षण कर सकते हैं। इसमें टीबी मरीजों को पोषण और उपचार में सहायता मिलेगी।

इस अभियान में गोद लिए गए मरीजों के पोषण, निदान के लिए सहायता देने के साथ उनके परिवार के सदस्यों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। सरकार का कहना है कि इस अभियान में गोद लेने के लिए लगभग 9.57 लाख रोगियों की स्वीकृति मिल चुकी है। टीबी मरीज को गोद लेने वाले लोगों और संस्थाओं को निक्षय मित्र के नाम से जाना जाएगा।

भारत में हर साल 20-25 लाख टीबी के मामले सामने आते हैं और लगभग 4 लाख लोगों की इस बीमारी से जान चली जाती है। मौजूदा समय में 13.5 लाख टीबी के मरीजों का इलाज चल रहा है जिनमें से 9 लाख से अधिक मरीजों ने निक्षय मित्र अभियान के तहत खुद को गोद लेने के लिए सहमति दी है।

इस अभियान के तहत एक टीबी मरीज को अतिरिक्त सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता की न्यूनतम अवधि एक साल होगी। हालांकि इसे दो या तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है। टीबी रोगियों की सहायता के लिए तीन किलो चावल, 250 ग्राम वनस्पति तेल और एक किलोग्राम दूध पाउडर या छह लीटर दूध या फिर उसकी जगह एक किलोग्राम मूंगफली युक्त मासिक भोजन के साथ डेढ़ किलोग्राम दाल की सिफारिश की गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर कई केंद्रीय मंत्रियों ने इस अभियान में शामिल होने के लिए लोगों से आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, पीएम मोदी जी के जन्मदिन के अवसर पर आज मैं अपने क्षेत्र के पांच ऐसे पेशेंट जो टीबी से ग्रसित हैं उनको गोद लेने का संकल्प लेता हूं और वो टीबी की बीमारी से मुक्त हों इसके लिए मैं प्रयत्न करूंगा।

सम्पादकीय

जोखिम की सड़कें

सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े पुलिस के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि ज्यादातर हादसे रात के दस बजे से दो बजे की बीच होते हैं।

महानगरों में वाहनों की बढ़ती संख्या और मनमाने तरीके से वाहन चलाने की वजह से सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े हर साल कुछ बढ़े हुए दर्ज होते हैं। इसे लेकर लगातार चिंता जताई जाती रही है। सड़क हादसों पर काबू पाने के मकसद से यातायात नियमों में कड़े प्रावधान जोड़े और जुर्माने की राशि में बढ़ोतरी की गई। उसके बावजूद अपेक्षित नतीजे नहीं आ पा रहे।

दूरदराज के इलाकों और छोटे शहरों-कस्बों की तो क्या कहें, दिल्ली की सड़कें भी पैदल चलने वालों तक के लिए सुरक्षित नहीं रह गई हैं। यह बात खुद दिल्ली पुलिस के आंकड़ों से जाहिर हुई है। पिछले साल दिल्ली में कुल चार हजार दो सौ तिहत्तर सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें पांच सौ चार पैदल यात्रियों की मौत हो गई। सबसे अधिक दुर्घटनाएं हल्के और दुपहिया वाहनों से हुईं। जबकि सबसे अधिक जुर्माना भी हल्के वाहनों पर ही लगाया गया।

विचित्र है कि दिल्ली को दूसरे शहरों की अपेक्षा अधिक जागरूक और पढ़े-लिखे लोगों का शहर माना जाता है, मगर जब यहां भी तमाम जागरूकता अभियानों, कानूनी सख्ती के बावजूद सड़क हादसों पर काबू पाना मुश्किल बना हुआ है, तो दूसरे शहरों के बारे में अंदाजा लगाया जा सकता है।

सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े पुलिस के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि ज्यादातर हादसे रात के दस बजे से दो बजे की बीच होते हैं। इन हादसों में घायल होने और जान गंवा देने वालों में अधिक संख्या युवाओं की होती है। जाहिर है, देर रात को जब सड़कें कुछ खाली होती हैं, लोग यातायात नियमों की परवाह किए बगैर तेज रफ्तार से गाड़ी चलाते और उसी में दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं।

दुर्घटना का शिकार होने वालों में कई नशे की हालत में भी वाहन चला रहे होते हैं। नशा करके गाड़ी चलाने पर भारी जुर्माना है और पुलिस ऐसे लोगों पर कड़ी नजर भी रखती है, फिर भी लोग इस आदत से बाज नहीं आ रहे, तो फिर दूसरे उपायों पर विचार करने की जरूरत है। हालांकि दिल्ली की सड़कों पर जोखिम वाली जगहों की निशानदेही करके कैमरे लगाए गए हैं और यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों पर स्वत- जुर्माना लगा दिया जाता है।

फिर भी लोग सड़कों पर संयम बरतना जरूरी नहीं समझते। इसके लिए केवल पुलिस को दोष नहीं दिया जा सकता। नागरिक समाज की भी इसमें जिम्मेदारी बनती है। लोगों को अपने बच्चों, परिवार के सदस्यों को बेवजह देर रात सड़क पर निकलने और तफरीह के लिए तेज रफ्तार वाहन चलाने से रोकना पड़ेगा।

सबसे चिंता की बात है कि पैदल चलते लोग भी वाहनों की चपेट में आकर जान गंवा बैठते हैं। हालांकि दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में पैदल चलने वालों के लिए अलग से पथ बने हुए हैं, मगर उन पर अनेक जगहों पर दुकानदारों आदि ने अतिक्रमण कर रखा है या उनकी नियमित सफाई, मरम्मत आदि न होने की वजह से वे लोगों के चलने लायक नहीं रह गए हैं। ऐसे में लोग सुबह की सैर के लिए या सामान्य तौर पर सड़कों पर चलने को मजबूर होते हैं।

इस तरह कई लोग तेज रफ्तार गाड़ियों की चपेट में आकर जान गंवा बैठते हैं या उनका कोई अंग भंग हो जाता है। कई बार मांग उठी कि पैदल चलने वाले रास्तों को ठीक किया जाए, मगर इस तरफ ध्यान ही नहीं दिया जाता। यातायात व्यवस्था को समग्र रूप में सुधारने का प्रयास होना चाहिए।

संपादक
गोपाल गावंडे

सिंहों के गढ़ में चीता

कभी-कभी कुछ विडंबनाएं एक नई अनुकूल स्थिति का निर्माण कर देती हैं।

नए वातावरण में बिल्ली प्रजाति के प्राणियों को बसाना आसान नहीं होता। दक्षिण अफ्रीका से ही दिल्ली के चिड़ियाघर में चार चीतों को लाकर बसाया गया था, लेकिन एक-एक कर चारों चीते मर गए। चिड़ियाघरों में पाले गए बाघ, सिंह या चीतों को खुले जंगलों में छोड़ा जाता है, तो इनके नरभक्षी हो जाने का खतरा भी बना रहता है, क्योंकि इनकी शिकार करने की क्षमता लगभग खत्म हो जाती है।

कभी-कभी कुछ विडंबनाएं एक नई अनुकूल स्थिति का निर्माण कर देती हैं। ऐसा ही कुछ मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो-पालपुर उद्यान में देखने में आ रहा है, जिसे विकसित तो गुजरात के गिरवन में मौजूद सिंहों के लिए किया गया था, लेकिन यह जंगल अब अफ्रीकी चीतों का गढ़ बनने जा रहा है। इस उद्यान में अब कभी बब्बर शेर नहीं लाए जा सकेंगे। दरअसल, बब्बर शेर केवल गुजरात के गिर राष्ट्रीय उद्यान में हैं।

इस प्रजाति को किसी महामारी या प्राकृतिक प्रकोप से बचाने की दृष्टि से भारत सरकार ने उन्हें एक नई जगह बसाने की दूरदर्शी योजना बनाई थी। इसके लिए 1992 में कूनो-पालपुर के आदिम जंगल को 'सिंह परियोजना' नाम से क्रियान्वित करने की मंजूरी दी गई। इसके लिए इस क्षेत्र के करीब तीन हजार वर्ग किलोमीटर इलाके में बसे विशेष सहरिया जनजाति बहुल उनतीस गांवों को विस्थापित किया गया। इन गावों में आदिकाल से रह रहे 1,545 परिवारों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा। इनका आज भी उचित पुनर्वास नहीं हुआ है।

हैरानी इस बात पर है कि लाचारों को तो एक झटके में जंगलों से खदेड़ दिया गया, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद मध्यप्रदेश को गुजरात के बब्बर शेर (एशियाटिक लायन) नहीं मिल सके। इसलिए मजबूरन मध्यप्रदेश सरकार ने कूनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में अफ्रीकी चीते बसाने में की योजना बनाई।

उस समय हुए गुजरात और मध्यप्रदेश सरकार के बीच अनुबंध के अनुसार उद्यान में शेरों के लिए आवासीय क्षेत्र विकसित होने के बाद गुजरात सरकार को शेर देने थे, पर सरकार कोई न कोई बहाना करके शेर देने के अनुबंध को टालती रही। जबकि करीब ढाई सौ करोड़ रुपए खर्च करके 2003 में उद्यान को सिंहों की प्रकृति के अनुसार विकसित कर लिया गया था। शेर नहीं मिले, तो शीर्ष न्यायालय में याचिका दायर की गई।

चूंकि अनुबंध के अनुसार गुजरात सरकार को जवाब देना मुश्किल हुआ, तो उसने 'अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ' (आइयूसीएन) के दिशा-निर्देशों को ढाल बना लिया। इस संघ के पैंतीस मापदंड निर्धारित हैं, जिन्हें पूरा करने पर ही सिंहों को दूसरे स्थान पर बसाने का प्रावधान है। इनमें से कम समय में पूरे होने वाले कार्यों को मध्यप्रदेश सरकार ने पूरा कर लिया, जबकि लंबे समय के कार्यों को लेकर भरोसा जताया कि ये शेर आने के बाद पूरे कर लिए जाएंगे। पर गुजरात सरकार मापदंड पूरे करने के बाद ही शेर देने के लिए अड़ गई। गुजरात द्वारा सिंह संभवत- इसलिए नहीं दिए गए कि वहां पर्यटकों की आमद कम न हो जाए।कूनो में छोड़े जाने के बाद चीते प्रजनन करने लगेंगे, तब भारत की धरती पर बिल्ली प्रजाति की पांच बड़ी प्रजातियां चहलकदमी करने लग जाएंगी। बाघ, शेर, तेंदुआ और हिम तेंदुआ, चार प्रजातियां भारत में पहले से हैं। अभी कूनो में तेंदुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति है ही, राजस्थान के रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान से बाघों की आमद कूनो में कभी-कभार दिखाई दे जाती है। 2006 में एक साथ छह बाघ दिखाई दिए थे। ये सभी बाघ रणथंभौर से पलायन कर कूनो आ गए थे। कूनो का रहवास नामीबिया के प्राकृतिक रहवास की तरह है। इसके बावजूद नए वातावरण में बिल्ली प्रजाति के प्राणियों को बसाना आसान नहीं होता। दक्षिण अफ्रीका से ही दिल्ली के चिड़ियाघर में चार चीतों को लाकर बसाया गया था, लेकिन एक-एक कर चारों चीते मर गए। चिड़ियाघरों में पाले गए बाघ, सिंह या चीतों को खुले जंगलों में छोड़ा जाता है, तो इनके नरभक्षी हो जाने का खतरा भी बना रहता है, क्योंकि इनकी शिकार करने की क्षमता लगभग खत्म हो जाती है।

इसीलिए कूनो में इनके आहार की सुविधा के लिए पेंच राष्ट्रीय उद्यान से लाकर सत्ताईस चीतल चीतों के नए बाड़े में छोड़ दिए गए हैं। हालांकि इस उद्यान में चीतल, चिंकारा, नीलगाय, जंगली सूअर, खरगोश पहले से बड़ी संख्या में मौजूद हैं। दरअसल, ग्वालियर राज्य के राजपत्र के अनुसार लार्ड कर्जन ने तब के महाराजा माधवराव सिंधिया प्रथम को इस वनखंड में सिंहों के सरंक्षण और पुनर्वास की सलाह दी थी। 1904 में कर्जन शिवपुरी, मोहना और श्योपुर के जंगलों में शिकार करने आए थे, लेकिन उस समय तक यहां सिंह लुप्त हो चुके थे। कर्जन की सलाह पर अमल करते हुए 1905 में डेढ़ लाख रुपए का वार्षिक बजट निर्धारित कर सिंहों के पुनर्वास की पहल इस जंगल में की गई। वन्य जीवन के जानकार अधिकारियों को सिंहों के पुनर्वास की जिम्मेदारी सौंपी गई। अधिकारियों ने पहले जूनागढ़ के नवाबों से सिंह लेने के प्रयास किए, लेकिन उन्होंने गुजरात सरकार की तरह सिंह देने से साफ इनकार कर दिया।

बाद में अधिकारी कर्जन का एक सिफारिशी पत्र लेकर इथियोपिया गए और दस सिंह शावक पानी के जहाज में बिठा कर मुंबई लाए। मगर मुंबई तक आते-आते दस में सात शावक ही बच पाए थे। इनमें तीन नर और चार मादा शेष बचे थे। इन शावकों को पहले ग्वालियर के चिड़ियाघर में पाला गया। वयस्क होने पर दो मादाओं ने पांच शावक पैदा किए। इन शावकों के बड़े होने पर आठ सिंह शिवपुरी जिले के सुल्तानगढ़ के जलप्रपात के पास बियाबान जंगल में छोड़े गए, लेकिन चिड़ियाघर के कृत्रिम और सुविधाजनक माहौल में पले और बड़े हुए ये सिंह वन्यजीवों का शिकार करने में अक्षम रहे। भूख के मिटाने के लिए इन्होंने पालतू मवेशियों और ग्रामीणों का शिकार शुरू कर दिया। 1910 से 1912 के बीच इन सिंहों ने एक दर्जन लोगों को मार डाला। इससे गांवों में हाहाकार मच गया। तब ग्वालियर महाराज ने सिंहों को पकड़वा कर 1915 में श्योपुर के कूनो-पालपुर जंगल में बसाने का एक बार फिर असफल प्रयास हुआ। यहां भी इनकी आदमखोर प्रवृत्ति बनी रही। इन्हें फिर पकड़ने की कोशिशें हुईं, लेकिन ये पकड़ में नहीं आए। बाद में इन्हें नीमच, झांसी, मुरैना और पन्ना में मार गिराए जाने की खबरें मिली। जब उस वक्त चीतों या सिंहों का पुनर्वास संभव नहीं हुआ, जबकि उस समय घनघेर जंगल थे और आहार के लिए वन्य प्राणी भी बड़ी संख्या में मौजूद थे, इसलिए यह शंका स्वाभाविक है कि ये सिंह जंगल में मुक्त विचरण के बाद विस्थापित किए गए आदिवासियों के जीवन के लिए ही कहीं संकट न बन जाएं।

विचित्र है कि वन और वन्य प्राणियों का आदिकाल से सरंक्षण करते चले आ रहे आदिवासियों को बड़ी संख्या में जंगलों से केवल इसलिए बेदखल कर दिया गया कि इनका जंगलों में रहना वन्य जीवों के प्रजनन, आहार और नैसर्गिक आवासन के मद्देनजर हितहारी नहीं है। इसी कथित जीवनदर्शन के आधार पर समूचे मध्यप्रदेश में आदिवासियों को कथित विकास और पर्यटन के बहाने खदेड़े जाने का सिलसिला जारी है। देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास जितना पुराना है, आदिवासियों को वनों से विस्थापित कर वन्यप्राणी अभयारण्यों की स्थापना का इतिहास भी लगभग उतना ही पुराना है। 1857 में मध्यप्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी की तलहटी में घने जंगलों में बसे गांव हर्राकोट के कोरकु आदिवासी मुखिया भूपत सिंह ने भी फिरंगियों के खिलाफ विद्रोह का झंडा फहराया था। प्रतिकार स्वरूप अंग्रेजों ने भूपत सिंह को हर्रा कोर्ट से दो साल के संघर्ष के बाद विस्थापित करने में सफलता प्राप्त कर ली। फिर इस जंगल से आदिवासियों की बेदखली के बाद इस वनखंड को 1859 में 'बोरी आरक्षित वन' घोषित कर दिया गया। तभी से स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी सरकारें और वनाधिकारी विदेशियों द्वारा खींची गई लकीर के फकीर बने हुए हैं।

काम के बहाने पश्चिम बंगाल से नाबालिग को लाकर किया बलात्कार, चार गिरफ्तार

विजय नगर पुलिस की कारवाई, काउंसलिंग के बाद नाबालिग ने बताया थी आपबीती

इंदौर। शहर में नाबालिगो के साथ होने वाले अपराधों के मामलों में गंभीरता से कार्रवाई करने के लिए पुलिस आयुक्त इंदौर श्री हरिनारायणा चारी मिश्र और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त इंदौर श्री मनीष कपूरिया ने निर्देश दिए। इसी कड़ी में पुलिस उपायुक्त जोन 2 संपत उपाध्याय, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन 2 श्री राजेश व्यास, प्रभारी सहायक पुलिस आयुक्त श्री भूपेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में विजयनगर पुलिस कार्रवाई कर रही है।

विजय नगर थाने पर नाबालिग ने दो लोगो द्वारा बलात्कार किए जाने की शिकायत की थी। नाबालिग ने पुलिस को बताया की वह हावड़ा (पश्चिम बंगाल) में रहती है। 9 वी तक उसने पढ़ाई की है। परिवारिक विवाद के चलते बचपन में ही माता पिता अलग हो गए जिसके बाद वह मां के साथ रहती थी। मां की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी तो पढ़ाई छोड़ना पढ़ी। हावड़ा में उसकी मुलाकात अखिलेश से हुई। उसने बताया की वह इंदौर में रहता है। इंदौर में पार्ट टाइम नौकरी के साथ में अपनी पढ़ाई पूरी कर सकती है। वहां पर काफी सुविधाएं मिलती है। नाबालिक को लगा कि यह बात अपनी मां को बताएगी तो इसके लिए वह तैयार नहीं होगी। इसी के चलते 1 अप्रैल को मां को बिना बताए अखिलेश के साथ इंदौर आ गई। यहां पर उसे उमा के घर पर अखिलेश ने रुकवाया। यहां पर नाबालिग से घरेलू काम उमा करवाती। मना करने पर मारपीट करती। यहां पर अखिलेश ने कई बार नाबालिग के साथ बलात्कार किया। वह लोग धमकी देते कि यहां पर रहना है तो इसी तरह रहना पड़ेगा। उमा के साथ उसकी बहन काजल भी रहती थी। वह भी आए दिन नाबालिक के साथ मारपीट करती थी। काजल का दोस्त आशीष घर पर आया था। नाबालिक को जबरन अपने साथ ओयो होटल ले गया। यहां पर दो बार उसके साथ बलात्कार किया। आशीष उसे नेहरू नगर में छोड़कर भाग निकला। उसे कहा कि यहां से पश्चिम बंगाल चले जाना नहीं तो तुम्हें जान से खत्म कर देंगे। रास्ते में भटक रही थी तो मुझसे एक व्यक्ति मिले। नाबालिग ने उसे अपनी पीड़ा बताई तो उसे अपने घर ले गए। बाद में अपनी पत्नी के साथ में उसे थाने लेकर पहुंचे। पुलिस ने नाबालिग को संस्था में रुकवाया। कई बार की काउंसलिंग के बाद उसने अपनी आपबीती पुलिस को बताई।

शराब के लिए युवक पर हमला

इंदौर। एक युवक को आरोपी ने चाकू मारकर घायल कर दिया। वह जन्मदिन की पार्टी में आया था। वहां पर शराब पिलाने की बात को लेकर आरोपी से उसका विवाद हो गया। इस पर आरोपी ने चाकू से हमला कर दिया।

चंदन नगर पुलिस ने बताया कि 24 वर्षीय जयंत पिता पप्पू सोनी निवासी गांधी पैलेस की शिकायत पर करण के खिलाफ केस दर्ज किया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने रवि (27) के साथ में मारपीट की है। आरोपी को कल उसके दोस्त रवि के पास आया और बोला कि आज रोशन की बच्ची का जन्मदिन है। वह अपने रुपयों से शराब लाकर पिलाए। रवि ने मना कर दिया। उसका कहना था कि जन्मदिन तो रोशन की बच्ची का है। वह क्यों शराब पिलाएगा। इसी बात को लेकर विवाद किया और गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। उसने विरोध शुरू किया तो मारपीट करने लगा। वह और रोशन बीच बचाव करने लगे। इस पर आरोपी करण ने चाकू निकालकर हमला कर दिया। रवि के हाथ में चाकू लगा है।

महिला की मौत में पति पर केस

इंदौर। पुलिस ने एक नवविवाहिता की खुदकुशी के मामले में उसके पति के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज किया है। पति बेवफा था दूसरी महिलाओं से बात करता था। पत्नी को दहेज के लिए भी सताता था। इससे पत्नी परेशान होकर उसने फंदे पर लटककर अपनी जान दे दी।

आजाद नगर पुलिस के अनुसार सुभद्रा पति सुनील निवासी शिव दर्शन नगर ने पिछले दिनों फांसी लगाकर अपनी जान दे दी थी। पुलिस ने मामले की जांच की तो पता लगा कि पति सुनील निवासी ग्राम रामपुरा देवास का अन्य महिलाओं से संबंध था। पत्नी विरोध करती तो वह उसे मारता पीटता था। इतना ही नहीं वह 200000 की मांग दहेज में कर रहा था। पत्नी मायके से पैसा नहीं ला पा रही थी तो वह रोज ही उसे प्रताड़ित करता था। इससे परेशान होकर सुभद्रा ने फांसी लगा ली थी।

पुलिस वाले पर हमला,खुद को लगाई

इंदौर। सिमरोल थाना क्षेत्र में कल रात को हुए विवाद में एक पुलिस वाले के साथ मारपीट की गई। बाद में एक आरोपी ने अपने आप को आग लगा ली। मामले में पुलिस पर जलाने का आरोप लगाया गया है। उधर, मामले में पुलिस ने पांच लोगों पर केस दर्ज किया है।

एसआई बिहारी सांवले थाना सिमरोल की शिकायत पर पुलिस ने भंवरड्क्षसह, शेखर, अन्तरड्क्षसह, अमृता और पुष्पेन्द्र के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने, मारपीट, बलवा आदि धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार सभी आरोपी डंपर के चालक से विवाद कर रहे थे। मिट्टी डालने की बात को लेकर आरोपियों से कहासुनी हुई। इसके बाद आरोपियों ने ड्राइवर को पीट दिया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और एसआई सांवले ने आरोपी को समझाया, लेकिन वह नहीं माने और विवाद करने लगे। आरोपियों ने उनके साथ में झूमा झटकी की और गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। इसी दौरान आरोपी भंवरड्क्षसह ने अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। एसआई ने अपने गमछे से आग बुझाने की कोशिश की तो बाकी के आरोपियों ने हमला कर दिया। उन्हें डंडे से पीटा। सरकारी गाड़ी में तोडफ़ोड़ कर दी। एसआई की पीठ और हाथ में चोट आई है। बताया जाता है कि आरोपी भंवरड्क्षसह और लेखराज के बीच में जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोपियों ने वहां पर अस्थाई दुकान बना रखी है। पिछले दिनों उनके बीच में समझौता हो गया था। अब जब लेखराज ने दुकानें तोड़ी और वहां पर मिट्टी डलाई तो आरोपी वहां पर आ गए और विवाद करने लगे। इसी विवाद में भंवरड्क्षसह ने अपने आप को जला लिया। उसे गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया, जहां पर इलाज चल रहा है।

सोया तो फिर नहीं उठा

इंदौर। एरोड्रम इलाके में एक मिस्त्री की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। सिर दर्द की बात कहकर वह कंस्ट्रक्शन साइट पर सो गया था। साथियों ने उठाया तो वह नहीं उठा। मिली जानकारी के अनुसार मृतक का नाम सुनील पिता राधेश्याम निवासी निपानिया है। वह अपने साथी सुरेश के साथ नरीमन प्वाइंट एरोड्रम पर कंस्ट्रक्शन साइट पर काम कर रहा था। दिन में उसने तबीयत बिगडऩे और सोने की बात कही। वह गोली खा कर सो गया था । बाद में साथियों ने उठाया तो वह नहीं उठा। पुलिस का कहना है पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही मौत की सही वजह साफ हो पाएगी।

लाखों के माल के साथ तीन पकड़ाए

डिलेवरी के लिए सामान भरवाया और कर दिया था गायब

इंदौर। लसूडिया पुलिस ने तीन आरोपियों को लाखों रुपए के माल के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी ने आन लाइन खाद्य तेल की डिलेवरी का आर्डर लेकर माल ले लिया और उसे गायब कर दिया था। बाद में यह सामान किसी अन्य को बेचने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली और गबन का माल बेचने के पहले ही आरोपियों को गिर तार कर लिया गया है।

16 सितंबर को फरियादी वेदांत पिता कमल नयन सोनी निवासी तिलक वार्ड पिपरिया जिला होशंगाबाद ने थाना लसूडिया पर रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि मैं पिपरिया में किराना व खाद्य तेल का व्यवसाय करता हूं । मैंने रुचि सोया इंदौर से 660 बॉक्स सोयाबीन तेल पतंजलि फूड लिमिटेड गोडाउन इंदौर से 95 बॉक्स सरसों, डालडा घी का आर्डर कर ऑनलाइन बिल अदा कर दिया था। माल इंदौर से पिपरिया ले जाने के लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन वाहक के माध्यम से ट्रांसपोर्ट की गाड़ी बुक की थी । इसके बाद गाड़ी एमपी 13 जीए 3153 के चालक विक्रम द्वारा मुझे फोन किया गया कि मेरी गाड़ी वर्तमान में इंदौर में ही है तथा पिपरिया आने वाली है। आप चाहे तो मैं आपका सामान इंदौर से पिपरिया ले आता हूं । वह विक्रम द्वारा मेरा माल अपनी गाड़ी में लोड करा कर इंदौर से पिपरिया ले जाने के लिए रवाना हुआ । इसके बाद भी मेरा माल पिपरिया ना पहुंचकर इनके द्वारा गबन किया गया है । पुलिस ने केस दर्ज मामले की जांच शुरु कर दी। विवेचना के दौरान रविवार को प्रकरण से संबंधित आरोपीगण विक्रम पिता कालू सिंह जाति भील उम्र 23 साल ,पीथमपुर,आरोपी प्रकाश सिंह पिता प्रहलाद महाजन उम्र 32 साल निवासी इंदौर तथा आरोपी अर्जुन पटेल पिता रामलाल पटेल उम्र 43 साल ,देपालपुर को गिर तार कर आरोपी गण से 487 बॉक्स सोयाबीन तेल ,सरसों तेल व वनस्पति डालडा घी के करीब 7 लाख रुपए मूल्य के डिब्बे तथा अपराध में प्रयुक्त दो आयशर ट्रक बरामद कर लिए हैं।

वात्सल्य बिल्डर्स के साथ करोडों रुपयों की धोखाधड़ी

इन्दौर । वात्सल्य बिल्डर्स एंड डेव्हलपर्स प्रायव्हेट लिमीटेड कंपनी के कर्मचारी मानवेंद्र नानीगोपाल मुजुमदार और एलिगेंट सर्विसेस के प्रोप्रायटर संदीप ईश्वरसिंह यादव पता नंदा नगर , इन्दौर मध्यप्रदेश ने मिलकर कंपनी के प्रोजेक्ट प्रेस्टीज 1,2,3,4,5 और शिव रेसिडेन्सी 1 इन प्रोजेक्ट के अनेक प्लॉटों की रजिस्टी खुद को कंपनी का संचालक बताकर अनेक लोंगो को कर दी है । कंपनी कर्मचारी मानवेंद्र मुजुमदार द्वारा कंपनी के मुख्यालय से स्टॅम्प और लेटरहेड चोरी करके और कंपनी के संचालकों की फर्जी दस्तखत ओर कागजात देकर बंधन बँक शाखा विजयनगर इन्दौर में कंपनी के नाम से फर्जी अकाउन्ट खोला गया । कंपनी को इस बाबत जानकारी मिलते हि मानवेंद्र मुजुमदार को कंपनी से बरखास्त कर दिया और उसके खिलाफ कंपनी के संचालक के शिकायत पर नागपूर शहर महाराष्ट्र मे पोलीस ठाणा धंतोली यहा पर अपराध दर्ज की गयी है । जिसकी जाच नागपूर काइम ब्रांच पुलिस कर रही है ।

मानवेंद्र नानी गोपाल मुजुमदार एवं एलिगेंट सर्विसेस के प्रोप्रायटर संदीप ईश्वासिंह यादव इन्होंने धोखाधडी और जालसाजी कर अपराधिक कृत्य किया है और इन्दौर के तथा अन्य जगह के लोगों को प्लॉट बेचकर उनके साथ धोखाधड़ी कर रहे है। इस के बाद नागपूर पोलिस मानवेंद्र मुजुमदार और संदीप यादव के खोज में इन्दौर पहुंची तो ये लोग इसकी भनक लगते ही ये दोनो फरार हो गये । नागपूर पोलिस ने मानवेंद्र मुजुमदार के घर पर और उनके अन्य स्थानोंपर के दबिश दी पर वो हात नही लगा मानवेंद्र ने नागपूर कोर्ट में गिरफतारी पूर्व जमानत की अर्जी दी थी जिसको कोर्ट ने खारीज कर दिया ।

इस धोखाधडी में पुलिस को जांच के दौरान इस धोखाधडी मे इन्दौर के और भी लोगों के शामिल होने की जानकारी मिली है उस दिशा में भी पुलिस जांच कर रही है ।

किशमिश के पानी से पाएं दमकती त्वचा, बस इस तरह करना होगा इस्तेमाल

ड्राई फ्रूट्स की श्रेणी में शुमार किशमिश के फायदे किसी से छिपे नहीं हैं। आपको सेहतमंद बनाने वाली मीठी-मीठी किशमिश आपकी स्किन के लिए भी बहुत लाभदायक है। इसका अगर पानी उपयोग किया, तो रंगत व निखार में ऐसा बदलाव आएगा कि आप खुद आईना देख दंग रह जाएंगीं।

किशमिश आमतौर पर अंगूर और अलग-अलग तरह की बैरीज को सुखाकर तैयार की जाती है, जिनके गुण भी अलग अलग होते हैं। इसमें प्रोटीन के अलावा आयरन और फाइबर्स का खजाना है। आप रोज किशमिश खाएंगे तो आपको विटामिन बी6, कैल्शियम, पोटैशियम और कॉपर की पूरी खुराक मिलेगी। इस मीठे ड्राईफ्रूट से शरीर को एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी मिलते हैं। साथ ही इसके एंटीबैक्टीरियल गुणों का भी फायदा मिलता है। किशमिश में विटामिन-ई भी होता है और इसके अलावा ये हेल्दी फैट को शरीर में बढ़ाती है। किशमिश के ये सारे गुण शरीर के साथ-साथ त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद हैं। हालांकि, एक दिन में सीमित मात्रा से ज्यादा किशमिशन नहीं खा सकते। इसलिए जब बात स्किन की आए तो किशमिश को कुछ अलग तरह से उपयोग में लाया जा सकता है।

किशमिश का पानी कैसे बनाएं

*ग्लोइंग और हेल्दी स्किन के लिए आप किशमिश का पानी बना सकते हैं। जिसे कितनी बार भी उपयोग में लाएं आपको शुगर बढ़ने जैसी चिंताएं नहीं सताएंगी।

*इसे बनाने के लिए आपको कम से कम डेढ़ सौ ग्राम किशमिश और दो कप पानी चाहिए।

*सबसे पहले किशमिश को साफ पानी से धो लें।

*एक बाउल में किशमिश रखें, उसमें पानी डालें और रातभर के लिए ढंक कर रख दें।

*रोज सुबह उठकर, खाली पेट इस पानी को पीने से डाइजेशन से जुड़ी दिक्क्तें दूर होंगी।

*इसके अलावा स्किन के लिए इस पानी को कई अलग-अलग तरह से यूज किया जा सकता है।

किशमिश के पानी का फेसपैक

किशमिश के पानी में कुछ बूंदें शहद की मिलाएं। इसे थिक बनाने के लिए बेसन या चावल का आटा मिला लें।

इन सबका एक पेस्ट जैसा तैयार कर लें।

इसे चेहरे पर लगाएं और बीस मिनट के लिए आराम करें।

ड्राई स्किन के लिए ये फेसपैक फायदेमंद है। ऑयली स्किन हो तो इसमें नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर उपयोग करें।

फेस टोनर

किशमिश के पानी को बतौर फेसटोनर यूज करने के लिए इसमें गुलाब जल और नींबू पानी मिलाएं।

इस पानी को एक स्प्रे बॉटल में स्टोर करके रखें।

रात में सोने से पहले स्किन पर स्प्रे करें। कुछ देर रुकें और फिर चेहरा वॉश कर लें।

चेहरा वॉश करना इसलिए जरूरी है क्योंकि किशमिश की वजह से पानी चिपचिपा हो सकता है।

त्वचा को होते हैं इतने सारे फायदे

किशमिश के पानी में एंटीमाइक्रोबियल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो स्किन पर किसी भी संक्रमण के खतरे को कम करते हैं।

विटामिन सी और विटामिन ई के गुणों से भरपूर पानी स्किन के डेड सेल्स हटाता है और चेहरे की चमक बढ़ाता है।

विटामिन सी की वजह से स्किन सेल्स को रिपेयर होने का भी मौका मिलता है।

किशमिश के पानी से चेहरे का रंग हल्का पड़ता है। चेहरे को डिटैन करने या दाग धब्बों को हल्का करने में ये पानी इफेक्टिव होता है।

छाछ से मिलेंगे घने-मजबूत बाल, त्वचा पर दिखेगा वो असर की झुर्रियां भी हो जाएंगी दूर

छाछ के गुणों की जितनी तारीफ करें उतनी कम है। इसे यूं ही पी लें या फिर इससे अलग-अलग तरह की डिशेज का स्वाद बदल लें। किसी भी फॉर्म में इसे खाएं या पिएं, मिलता तो फायदा ही है। छाछ कार्बोहाइड्रेट्स का रिच सोर्स है। इसमें कई तरह के विटामिन्स मौजूद होते हैं। साथ ही ये गुड बैक्टीरिया से भरपूर भी होता है। प्रोटीन, पोटैशियम, फॉस्फोरस, लैक्टिक एसिड और कैल्शियम की भी इसमें भरपूर मिलते हैं।

वैसे अब तक आप मानते रहे होंगे कि छाछ यानि बटर मिल्क तभी फायदा पहुंचाता है, जब उसे किसी न किसी तरीके से आहार का हिस्सा बनाया जाए। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दही से तैयार इस तरल का उपयोग ऐसे कई तरीकों से किया जा सकता है जो आपके बाल और स्किन को हेल्दी और सुंदर बना देगा। और इसके लिए आपको इसे पीना नहीं है, बल्कि लगाना और फिर देखिएगा कमाल।

ग्लोइंग स्किन के लिए

छाछ एक बहुत ही उम्दा मॉइस्चराइजर होता है, जो चेहरे की त्वचा को हाईड्रेट करता है। नैचरल एस्ट्रिंजेंट के गुण होने के साथ-साथ इसकी एसिडिक कंपोजिनशन इसे असरदार टोनर बनाती है।

अगर आपको एक कुछ ही दिनों में ग्लोइंग स्किन चाहिए, तो इसके लिए होममेड फेस पैक बनाएं।

छाछ को बेसन और ककड़ी के रस के साथ मिलाकर पेस्ट तैयार करें।

इसमें चुटकी भर हल्दी मिलाएं।

पेस्ट को चेहरे पर पंद्रह मिनट लगाकर रखें और फिर चेहरा धो लें।

पिंपल्स घटाए

अगर आप भी इस सवाल का जवाब ढूंढ रहे हैं, तो इसके जवाब के रूप में बटरमिल्क आपकी मदद कर सकता है। छाछ में भी दही की तरह प्रोबायोटिक गुण होते हैं, जिससे ये स्किन पर बैक्टीरियल ग्रोथ को सीमित करने के साथ ही गुड बैक्टीरियाज को बढ़ाता है। छाछ को चेहरे पर लगाने से बंद पोर्स खुलते हैं। स्किन सेल्स की ग्रोथ की रफ्तार भी बढ़ती है और त्वचा खुलकर सांस लेती है जिससे पिंपल्स कम होते हैं।

उम्र के निशान रखे दूर

इस नैचरल ड्रिंक में एंटीऑक्सीडेंट्स की भरमारा है, जो फ्री रेडिकल्स की ग्रोथ कम करते हैं। इसके मॉइस्चराइज करने के गुण ड्राई स्किन में नई जान फूंक देते हैं।

वहीं छाछ को ओटमील के साथ मिलकर लगाने से स्किन टाइटनिंग होती है और एजिंग के निशान घटते हैं। ये चेहरे को एकदम जवां लुक देता है

सनटैन करे कम

धूप में जाने पर टैनिंग हो जाए, तो इसे हटाने की फिक्र छाछ पर छोड़ दें। एलोवेरा के साथ मिलकर छाछ स्किन को जेंटली डीटैन करता है और उसे गहराई से पोषण देते हुए सॉफ्ट बनाता है।

छाछ का लेक्टिक एसिड और एल्फा हाइड्रोक्सी एसिड स्किन एक्सफोलिएट करते हैं। ये डेड स्किन सेल्स को रिमूव कर स्किन में निखार लाते हैं, जिससे टैनिंग का असर खत्म हो जाता है।

बालों की ग्रोथ बढ़ाए

बालों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए छाछ, बेसन और ऑलिव ऑयल मिलाकर एक मास्क तैयार कीजिए।

इस मास्क से स्कैल्प की मसाज करें। चालीस मिनट बाद शैंपू कर लें।

एक ही बार के उपयोग में बालों को नई जान मिलेगी और डैंड्रफ की भी छुट्टी हो जाएगी।

प्रोटीन के गुणों से भरपूर ये मास्क बाल और स्कैल्प को हाईड्रेट करेगा। ये सब मिलकर बालों को मजबूती देंगे और बाल तेजी से लंबे करने का आसान तरीका आपको ब्यूटीफुल लॉन्ग हेयर देगा।

BLACKBERRY HILL'S

मात्र 551/- रु. Sq.ft.

WE BUILD YOUR NEW NATURAL FARMHOUSE

FEATURES
- CCTV कैमरे एवं 24 घटें सिक्योरिटी के साथ पूर्ण रूप से सुरक्षित
- फाउंटेन, गजीबो, लैंड स्केपिंग गार्डन, जॉगिंग ट्रैक
- सोलर स्ट्रीट लाइट एवं गार्डन लाइट
- क्लब हाउस, स्वीमिंग पुल, मेडिटेशन रूम, गेम जोन
- आउटडोर किचन और कॉटेज सुविधा के साथ।
- प्राकृतिक वातावरण में पक्षियों की मधुर आवाज और नहर के किनारे विकसित एकमात्र स्थान आपका अपना Blackberry Hill's Farm and Resort

BANK LOAN AVAILABLE

8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

मात्र 15 लाख से शुरु

HANUMANTIYA JUNGLE RESORT

हनुमंतिया जंगल रिसोर्ट
में आपका अपना LUXURY रिसोर्ट

FEATURES
- नदी किनारे पूरा फ्रंट
- पीछे शानदार पर्वत
- 24/7 पानी ही पानी
- सुप्रसिद्ध झिरी माता का मंदिर
- पहाड़, पानी, पर्वत और नदिया सब एक ही जगह

BENEFITS
- रेल और बस सुविधा
- किशोर कुमार दा की नगरी
- प्रसिद्ध गुरुदेव धूनीवाले बाबा की नगरी
- इंदौर इच्छापुर हाइवे से कुछ ही मिनटों की दूरी
- सुरक्षित, किफायती, शहर से नजदीक, विकसित, सर्व सुविधा युक्त

BANK LOAN AVAILABLE

तुरंत रजिस्ट्री, तुरंत पजेशन

8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

WWW.1BIGA.COM

SHREE GODAWARI DEVELOPER

हो जाइए तैयार, पूर्ण होगा अब
फार्म हाऊस
लेने का उत्तम विचार

FEATURES
- Covered RCC boundary wall with entrance gate.
- 24/7 Water supply.
- 24/7 Security.
- 24/7 Electricity supply.
- 100 Different types of fruit plants.
- Solar light.

BENEFITS
- नेशनल हाइवे से 400 मीटर
- Choral से 9km
- बड़वाह से 9km पहले
- इंदौर शहर से 1 घटें की दूरी पर

मात्र 101/- Sqft

इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाइवे से 400 मी. की दूरी पर

More information call us
8889066688, 6268319125

ACHIRA GREENS
A Smart Township

BOOK NOW ONLY 1399/- Sqft

INDORE
में अपने सपनों
का प्लॉट पायें

इच्छापुर नेशनल हाईवे
के समीप IIT COLLEGE
के नजदीक

अचीरा ग्रीन्स ही क्यों ?
- नेशनल हाईवे से मात्र 500 मीटर
- रेरा द्वारा प्रमाणित सपूंर्ण विकसित और वैध
- हर 10 मिनट में बस सुविधा इंदौर के लिए और खडवा के लिए
- शुद्ध और प्राकृतिक वातावरण के बीच आपका प्लाट।
- मोहाली फॉल है बिल्कुल नजदीक
- तिंछा फॉल है बिल्कुल नजदीक

8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

ब्रह्मास्त्र की तूफानी कमाई, 200cr क्लब में एंट्री, द कश्मीर फाइल्स को पछाड़ बनेगी 2022 की सबसे बड़ी फिल्म?

ब्रह्मास्त्र ने आखिरकार 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणबीर की मूवी ने रविवार को भारत में 16.30 करोड़ के करीब कमाई की है. इसी के साथ फिल्म ने 10 दिनों में 215.50 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म थर्ड वीकेंड तक 250 करोड़ का कलेक्शन पार कर सकती है.

ब्रह्मास्त्र का दम आखिरकार हर किसी ने देख ही लिया. एक फिल्म जिसे रिलीज से पहले कम आंका जा रहा था. उसने रिलीज के बाद जो तूफान बॉक्स ऑफिस पर मचाया है, सभी के होश उड़ गए हैं. रणबीर कपूर की मूवी का जोरदार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन दूसरे हफ्ते भी जारी रहा. इसका सबूत देते हैं फिल्म की कमाई के आंकड़े. सेकंड वीकेंड में फिल्म के ताबड़तोड़ कलेक्शन के आंकड़े सामने आ गए हैं. यकीन मानें, बिजनेस जानकर फूले नहीं समाएंगे.

ब्रह्मास्त्र ने 10वें दिन कितनी कमाई की?

गुड न्यूज है कि ब्रह्मास्त्र ने आखिरकार 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणबीर की मूवी ने रविवार (10वें दिन) को भारत में 16.30 करोड़ के करीब कमाई की है. इसी के साथ फिल्म ने 10 दिनों में 215.50 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. फर्स्ट वीकेंड की तरह दूसरे वीकेंड में भी ब्रह्मास्त्र का जादू फैंस के सिर चढ़कर बोला. कमाई के इन शानदार आंकड़ों के साथ ब्रह्मास्त्र ने कई बड़े रिकॉर्ड्स ध्वस्त कर दिए हैं. जिस तरह से 2022 में रिलीज हुई मूवीज का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल हुआ है, उस फेहरिस्त में ब्रह्मास्त्र ने रिलीज होकर बॉलीवुड को जीवनदान दिया है. उम्मीद जताई जा रही कि फिल्म थर्ड वीकेंड तक 250 करोड़ का कलेक्शन पार कर ले. वैसे ब्रह्मास्त्र, द कश्मीर फाइल्स के लाइफटाइम कलेक्शन (252.90 करोड़) को टक्कर देती दिख रही है.

ब्रह्मास्त्र ने किस दिन कितने कमाए?

ब्रह्मास्त्र ने भारत में ओपनिंग डे पर 36.42 करोड़ के साथ खाता खोला था. वहीं इसके हिंदी वर्जन ने 32 करोड़ पहले दिन कमाए थे. फर्स्ट वीक में ब्रह्मास्त्र का इंडिया में कुल कलेक्शन 173.22 करोड़ था. सेकंड वीक में ब्रह्मास्त्र मजबूती से बनी रही. दूसरे शुक्रवार को फिल्म ने 10.6 करोड़ कमाए. शनिवार (9वें दिन) को 15.38 करोड़ की ताबड़तोड़ कमाई की. देश ही नहीं विदेश में भी ब्रह्मास्त्र का जलवा कायम है. मूवी का 9 दिन में वर्ल्डवाइड कलेक्शन 324.80 करोड़ था.

ब्रह्मास्त्र ने तोड़े रिकॉर्ड

अपनी इस दमदार कमाई के साथ ब्रह्मास्त्र ने 2022 की बड़ी हिट भूल भुलैया 2 को पीछे छोड़ दिया है. रणबीर की मूवी भूल भुलैया 2 के लाइफटाइम बिजनेस को पार कर 2022 की सेकंड हाईएस्ट हिंदी ग्रॉसर बन गई है. ब्रह्मास्त्र की इस सक्सेस ने बॉलीवुड गलियारों में जान फूंक दी है. रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को इस फिल्म ने पेरेंट्स बनने से पहले बड़ी ट्रीट दे दी है. अभी तक तो ब्रह्मास्त्र बॉक्स ऑफिस पर पास हुई है. फिल्म की इस सक्सेस से पूरी स्टारकास्ट और क्रू खुश है. देखना होगा मूवी 11वें दिन कैसा बिजनेस करती है. उम्मीद तो बेहतर होने की ही है, क्योंकि अयान मुखर्जी की क्रिएट की गई अस्त्रों की इस दुनिया को लोग पसंद कर रहे हैं.

मूवी में रणबीर कपूर अग्नि अस्त्र बने हैं. आलिया उनकी लेडीलव ईशा के रोल में हैं. रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के अलावा फिल्म में मौनी रॉय, नागार्जुन और अमिताभ बच्चन अहम रोल में दिखे. अयान को ये फिल्म बनाने में 10 साल लगे थे. मगर अब जो उनकी 10 सालों की मेहनत का नतीजा सामने आया है, उसे देख यकीनन अयान ने चैन की सांस ली होगी.

रेसलर बजरंग पूनिया का कमाल... वर्ल्ड चैम्पियनशिप में भारत के लिए जीता ब्रॉन्ज मेडल

रेसलर बजरंग पूनिया ने वर्ल्ड चैम्पियनशिप में भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया है. बजरंग ने कांस्य पदक के मैच में पुएर्टो रिको के सेबस्टियन रिवेरा को 11-9 से शिकस्त दी. वर्ल्ड चैम्पियनशिप में भारत का यह दूसरा मेडल रहा. इससे पहले महिला रेसलर विनेश फोगाट ने कांस्य पदक जीता था. बजरंग ने हालिया कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने में सफल रहे थे.

सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में आयोजित वर्ल्ड रेसलिंग चैम्पियनशिप में भारतीय टीम को दूसरा मेडल हासिल हुआ है. रेसलर बजरंग पूनिया ने पुरुषों के 65 किलो फ्रीस्टाइल भारवर्ग में यह मेडल हासिल किया है. बजरंग ने कांस्य पदक के मैच में पुएर्टो रिको के सेबस्टियन रिवेरा को 11-9 से मात दे दी. इससे पहले महिला रेसलर विनेश फोगाट ने इस चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता था. बजरंग और विनेश के अलावा बाकी पहलवान टूर्नामेंट में कुछ खास नहीं कर पाए.

ओपनिंग, फिनिशर...वर्ल्ड कप से पहले वो सवाल जिनके जवाब ऑस्ट्रेलिया सीरीज में लेना चाहेगी टीम इंडिया

टी-20 वर्ल्डकप में जाने से पहले टीम इंडिया अपनी तैयारी पुख्ता कर लेना चाहती है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज़ इसी का सबसे बेहतर मौका है. कप्तान रोहित शर्मा यहां चाहेंगे कि उन सभी सवालों का जवाब मिल जाए, जो टी-20 वर्ल्डकप से पहले सुलझाना बेहद ज़रूरी है.

टी-20 वर्ल्डकप के शुरू होने में अब सिर्फ एक महीना ही बचा है. भारतीय टीम ने अपने स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है और तैयारियां आखिरी दौर में चल रही हैं. भारत को टी-20 वर्ल्डकप से पहले अपने घर पर दो बड़ी टी-20 सीरीज़ खेलनी हैं. 20 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज़ का आगाज़ होना है, ऐसे में टीम इंडिया चाहेगी कि वर्ल्डकप में जाने से पहले वह उन सवालों का जवाब जान ले, जो उसे लगातार परेशान कर रहे हैं.

ओपनिंग कौन करेगा?

टी-20 फॉर्मेट में टीम इंडिया ने अपने खेलने का अंदाज़ बदला है. पिछले कुछ वक्त में काफी प्रयोग किए गए हैं, इस बीच टीम इंडिया के सामने सवाल है कि ओपनिंग कौन करेगा. कई एक्सपर्ट्स ने मांग की है कि रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली को ओपनिंग करनी चाहिए. हालांकि, कप्तान रोहित ने साफ किया है कि केएल राहुल ही ओपनिंग करेंगे. लेकिन विराट भी कुछ मैच में ओपनिंग कर सकते हैं. ऐसे में ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका सीरीज़ में हमें अलग-अलग ऑप्शन देखने को मिल सकते हैं.

फिनिशर की भूमिका में कौन?

भारत के पास छठे-सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए हार्दिक पंड्या और दिनेश कार्तिक जैसे ऑप्शन हैं. यही दोनों मैच को फिनिश करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं. आईपीएल 2022 के बाद तो दिनेश कार्तिक एक स्पेशलिस्ट फिनिशर के तौर पर उभरकर सामने आए हैं. लेकिन टीम कॉम्बिनेशन को देखते हुए कई बार उनकी जगह प्लेइंग-11 में नहीं बनी है, लेकिन टी-20 वर्ल्डकप से पहले टीम मैनेजमेंट को तय करना होगा कि दिनेश कार्तिक किस तरह फिट बैठते हैं.

कौन लेगा रवींद्र जडेजा की जगह?

स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा चोट के चलते टी-20 वर्ल्डकप से बाहर हैं, ऐसे में उनकी जगह कौन लेगा. हार्दिक पंड्या टीम के साथ बतौर ऑलराउंडर होंगे, लेकिन हर मैच में वह चार ओवर नहीं कर पाएंगे क्योंकि उनकी फिटनेस का सवाल है. ऐसे में क्या अक्षर पटेल रेगुलर टीम के साथ प्लेइंग-11 में शामिल हो पाएंगे, जो टीम के लिए कुछ ओवर फेंके और तेज़ी से रन भी बटोर सके. या कप्तान रोहित शर्मा यहां पर दीपक हुड्डा को ही मौका देंगे.

ऋषभ पंत या दिनेश कार्तिक?

एक सबसे अहम सवाल यह है कि प्लेइंग-11 में दिनेश कार्तिक या ऋषभ पंत में से कौन शामिल होगा? क्या रोहित शर्मा दोनों ही खिलाड़ियों को खिलाएंगे या फिर सिर्फ दिनेश कार्तिक को मौका मिलेगा. क्योंकि टी-20 फॉर्मेट में ऋषभ पंत का प्रदर्शन ऐसा नहीं है कि वह लगातार प्लेइंग-11 में जगह बना पाएं. इससे टीम के कॉम्बिनेशन पर भी असर पड़ता है, ऋषभ के पक्ष में यह है कि वह एक लेफ्ट हैंडर हैं और अभी टीम के पास कोई ऐसा बल्लेबाज नहीं है.

टी-20 वर्ल्डकप के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है- रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, आर. अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह.

मध्यान्ह भोजन योजना के क्रियान्वयन में न आएँ बाधाएँ -मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने राजधानी सहित चार जिलों के अधिकारियों से की वर्चुअल चर्चा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल के पुलिस कमिश्नर सहित रीवा, पन्ना, झाबुआ कलेक्टर्स, पुलिस अधीक्षक और अधिकारियों से अलग-अलग विषयों पर वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान के संज्ञान में आए विभिन्न विषयों पर बातचीत कर निर्देश दिए। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस भी वुर्चअल शामिल हुए।

पन्ना में मध्यान्ह भोजन योजना के पुख्ता क्रियान्वयन के निर्देश

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंस से जिलों से चर्चा के क्रम में सबसे पहले पन्ना कलेक्टर से जिले के कुछ क्षेत्रों में गत माह मध्यान्ह भोजन योजना में उत्पन्न बाधा और प्राप्त शिकायत के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अन्य जिले भी मध्यान्ह भोजन वितरण के कार्य की व्यवस्थाओं को पुख्ता बनाए रखें। योजना के क्रियान्वयन में बाधाएँ उत्पन्न नहीं होना चाहिए। प्राप्त शिकायतों का अविलंब निराकरण किया जाए। कलेक्टर पन्ना ने बताया कि जिले के 1800 विद्यालयों में नियमित रूप से मध्यान्ह भोजन वितरण का कार्य चल रहा है। कुछ केन्द्रों में मैपिंग की त्रुटि और तकनीकी समस्या के कारण कुछ समय के लिए व्यवधान आया था, जिसे सुधार लिया गया है। खनिज साधन और श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह भी वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टर पन्ना सहित प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री उमाकांत उमराव और प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण श्री फैज अहमद किदवई से भी जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टर पन्ना को विस्तृत जाँच प्रतिवेदन भेजने के निर्देश दिए।

रीवा में हुए अपराधिक कृत्य के दोषियों के विरूद्ध कठोरतम कार्रवाई के निर्देश

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गत 16 सितम्बर को रीवा में हुई अपराधिक घटना को जघन्य और अमानवीय बताते हुए दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस घटना में शामिल दोषियों के आर्थिक आधार पर प्रहार कर नेस्तनाबूद किया जाए। पुलिस अधीक्षक रीवा को निर्देश दिए गए कि सख्त से सख्त कदम उठा कर उदाहरण प्रस्तुत करें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना के दोषी 5 युवक गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

विद्यालयों के वाहनों में जीपीएस की व्यवस्था करें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पुलिस कमिश्नर भोपाल से गत सप्ताह एक विद्यालय की बस में छात्रा के साथ हुई अपराधिक घटना के संदर्भ में अन्य विद्यालयों के वाहनों की पड़ताल, वाहन चालकों के चरित्र और विद्यालयों द्वारा की गई व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। पुलिस कमिश्नर श्री मकरंद देउस्कर ने बताया कि अभियान के तौर पर वाहनों की जाँच, अभिभावकों से चर्चा और वाहनों में सीसीटीवी और जीपीएस की व्यवस्था के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विद्यार्थियों को घर से विद्यालय लाने ले जाने वाले वाहनों में जीपीएस व्यवस्था को प्रभावशील करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे वाहनों और ऑटो रिक्शा में भी जीपीएस के माध्यम से ट्रेकिंग का कार्य आसान होता है। जिन मामलों में वाहन चालक या अन्य स्टाफ दोषी पाया जाए उनके विरूद्ध विधि सम्मत सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने झाबुआ में पुलिस अधीक्षक द्वारा विद्यार्थियों के साथ दुर्व्यवहार के वायरल ऑडियो की विस्तृत जाँच कर प्रतिवेदन देने के निर्देश पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना को दिए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विद्यार्थियों और समाज सेवियों के साथ किया पौध-रोपण

मामा का भांजियों से संवाद भी हुआ

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट सिटी पार्क, श्यामला हिल्स में मौलश्री, नीम और कचनार के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ सामाजिक संस्थाओं के सदस्य और विद्यार्थियों ने भी पौध-रोपण किया। केनियन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिका और बालिकाओं ने भी पौधे लगाए। विद्यालय द्वारा पर्यावरण-संरक्षण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। श्रीमती एस.वी. नागामणी, श्री कृष्णा शर्मा, श्री पर्युल, श्री आर्यन ठाकुर, श्री हर्ष सोनी, श्री हर्षवर्धन सिसोदिया, कु. लवी सोनी, कु. कनिष्का यादव, कु. पल्लवी सिसौदिया, कु. शैलजा चतुर्वेदी, कु. माही वाजपेयी, श्री सौरभ सक्सेना पौध-रोपण में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ भोपाल के गांधी नगर क्षेत्र के समाजसेवी श्री योगेश वासवानी ने भी अपने जन्म-दिवस पर पौधा लगाया। श्री महावीर सिंह, श्री शमशेर सिंह और श्री अभय तिवारी भी पौध-रोपण में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्कूली बालिकाओं (भांजियों) से बातचीत भी की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बालिकाओं से उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा बालिकाओं ने बताया कि वे नियमित रूप से अध्ययन कर रही हैं और आपकी तरह बनना चाहती हैं। मामा, आप बताएँ कि आपको इतना कार्य करने की प्रेरणा कहाँ से मिलती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रेरणा अंतरात्मा से मिलती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बालिकाओं को युधिष्ठिर और यक्ष के मध्य हुए संवाद की कथा सुनाई, जिसमें कहा गया है कि जितना भी जीवन है वह सार्थक हो। जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाया जाए। युधिष्ठिर और यक्ष की कथा में वर्णित बातचीत के प्रसंगों में पूछे गए एक प्रश्न संसार का सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है? का उत्तर है कि जो भी व्यक्ति जन्म लेता है उसकी मृत्यु अवश्यंभावी है, लेकिन मनुष्य का व्यवहार ऐसा होता है कि मानो वह यहाँ सदैव रहने के लिए आया है। इसलिए मनुष्य को जितना जीवन है, सद्कार्यों में लगाना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्वामी विवेकानंद कहते थे कि मनुष्य सिर्फ हाड़-माँस का पुतला नहीं बल्कि अनंत शक्तियों का स्वामी है। वह जो चाहे बन सकता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पढ़ाई मेडिकल की हो, इंजीनियरिंग की हो या कोई अन्य, पहले रोडमेप बनाएँ फिर परिश्रम करें। दृढ़ निश्चय से सफलता की मंजिल पर पहुँचा जा सकता हैं।

पौधों का महत्व

आज लगाया गया मौलश्री एक औषधीय वृक्ष है, इसका सदियों से आयुर्वेद में उपयोग होता आ रहा है। एंटीबायोटिक तत्वों से भरपूर नीम को सर्वोच्च औषधि के रूप में जाना जाता है। कचनार सुंदर फूलों वाला वृक्ष है। प्रकृति ने कई पेड़-पौधों को औषधीय गुणों से भरपूर रखा है, इन्हीं में से कचनार एक है।

बाढ़ राहत कार्यों में वायु सेना का महत्वपूर्ण सहयोग मिला - मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री से मिले एयर मार्शल श्री अमनप्रीत सिंह

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से आज प्रातः निवास पर कमांडिंग इन चीफ मध्य वायु सेना, एयर मार्शल श्री अमनप्रीत सिंह ने सौजन्य भेंट की। श्री अमनप्रीत सिंह मध्य वायु कमान, भारतीय वायु सेना, प्रयागराज पदस्थ हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में मानसून में बाढ़ की स्थिति वाले क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन में वायु सेना का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने एयर मार्शल श्री अमनप्रीत सिंह को भारतीय वायु सेना के विशेष सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। एयर मार्शल श्री अमनप्रीत सिंह के साथ विंग कमांडर श्री रविंद्र अग्रवाल और ग्रुप कैप्टन श्री रामास्वामी कन्नन ने भी मुख्यमंत्री श्री चौहान से भेंट की। एयर मार्शल श्री अमनप्रीत सिंह ने मुख्यमंत्री को वायु सेना की ओर से प्रतीक-चिन्ह भेंट किया।

म.प्र. लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के लिए आयु सीमा में तीन वर्ष की वृद्धि-मुख्यमंत्री श्री चौहान

कोविड की परिस्थितियों के कारण विद्यार्थियों के साथ हुए अन्याय को दूर करने का फैसला

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोविड-19 के कारण अनेक विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में हिस्सा लेने से वंचित होना पड़ा था। विद्यार्थियों के साथ न्याय करते हुए म.प्र. लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के लिए अधिकतम आयु सीमा में 3 वर्ष की वृद्धि एक बार के लिए की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोविड की परिस्थितियों के कारण भर्ती परीक्षाएँ नियमित रूप से नहीं की जा सकी। इसलिए अनेक बच्चे ओवरएज हो गए हैं। बच्चों ने आग्रह भी किया था कि उन्हें इन परिस्थितियों के कारण अन्याय का शिकार होना पड़ रहा है। राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि परीक्षा न होने से जो बच्चे ओवरएज हो गए उनके साथ अन्याय न हो। इसके लिए एक बार के लिए अधिकतम आयु सीमा को 3 साल के लिए बढ़ाया गया है। विद्यार्थियों का पक्ष न्यायसंगत है, उनके हित में यह निर्णय लिया गया है।

बीमा कंपनी तय नही कर सकती की इलाज किस पद्धति से होगा

6 साल तक कानूनी लड़ाई के बाद महिला को मिला मेडिक्लेम

तब 58 वर्षीय महिला ने 2015 में कराया था बीमा, आंखों की केटरेक्ट सर्जरी कराई थी, महिला के पति ने ही लड़ा केस

शहर की एक महिला ने मेडिक्लेम हासिल करने के लिए छह साल तक संघर्ष किया। जिस तकनीक से आंख का ऑपरेशन कराया, वह तकनीक भी सही और आधुनिक है, यह साबित कराने के लिए उपभोक्ता फोरम में अध्यक्ष और सदस्यों के बीच डॉक्टर को वीडियो कॉल पर लिया। कनाडा की एक एजेंसी की रिपोर्ट पेश की, जिसमें उस तकनीक को बेहतर बताया गया। फोरम के संतुष्ट होने के बाद क्लेम दिए जाने के आदेश जारी हुए।

खास बात यह है कि इस मामले में महिला के पति ने ही केस लड़ा। मामला भारती पति विवेक झंवर (58) का है। उन्होंने 2015 में अपोलो म्युनिख हेल्थ इंश्योरेंस से मेडिक्लेम कराया था। 2017 तक 3.60 लाख रुपए की रिस्क कवर थी। उक्त कंपनी बाद में एचडीएफसी एग्रो हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी में मर्ज हो गई थी। इस बीच 17 जनवरी 2017 को भारती की दायीं आंख और 31 जनवरी 2017 को बायीं आंख की केटरेक्ट सर्जरी हुई। उन्होंने 9 फरवरी 2017 को कंपनी में दोनों आंखों के लिए क्लेम फॉर्म क्रमश: 71113 रुपए और 68117 रुपए का जमा कराया था।

सिर्फ 117 रुपए देने का आदेश दिया

कंपनी ने 41113 रु. व 38000 रु. ही मंजूर किए। फेमेटो लेजर लैंसर के चार्जेस का 30-30 हजार रुपए का भुगतान नहीं किया। भारती ने 31 मार्च 2017 को बीमा लोकपाल (भोपाल) में शिकायत की। लोकपाल ने कहा फेमेटो लेजर सर्जरी की क्या आवश्यकता थी, यह इलाज करने वाले डॉक्टर ने नहीं बताया, इसलिए बीमा कंपनी द्वारा किए गए क्लेम के निराकरण को उचित ठहराया। इसमें सिर्फ मेडिसिन के 117 रुपए ही जो कंपनी ने काटे थे, उसे फरियादी को देने का आदेश दिया।

FDA के मानक स्तर का हवाला

महिला के पति ने डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर फोरम में अपील की। बताया कि भारती की सर्जरी राजस नेत्र एवं रेटीना रिसर्च सेंटर पर डॉ. आरएस चौधरी द्वारा की गई है। उनके द्वारा प्रमाण दिए गए कि फेमेटो सेकंड लेजर मशीन व प्रोवेन टेक्नोलॉजी है। यह स्वष्ठ मानक स्तर जो अमेरिका में उत्पादों की गुणवत्ता के आकलन के लिए होता है, उक्त मानक स्तर की मशीन है। इस मशीन से कई ऑपरेशन हुए हैं। इसके साथ ही अपनी रिपोर्ट पेश की।

फोरम ने माना नई मेथड से सर्जरी कराना गलती नहीं

फोरम ने माना कि फेमेटो लेजर सर्जरी एक प्रोवेन मेथड है। डॉ. चौधरी द्वारा दिए गए प्रमाण पत्रों से प्रमाणित होता है कि डॉक्टर नई टेक्नोलॉजी को बेहतर समझते थे और उन्होंने इसे इलाज की आवश्यकता समझा। ऐसे में महिला ने इस मेथड से सर्जरी कराकर कोई गलती नहीं की है। कंपनी ने दोनों आंखों की सर्जरी को लेकर अपवर्जन क्लाज का तर्क देकर 60 हजार रु. जो काटे हैं, वह उचित नहीं है। फोरम ने एचडीएफसी एग्रो हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी को आदेश दिया कि वह महिला को 60 हजार रु., महिला को जो मानसिक प्रताड़ना हुई उसके 10 हजार रु. तथा केस खर्च के 5 हजार रु. अब तक के 6 प्रतिशत ब्याज के साथ भुगतान करे। खास बात यह कि इस केस से यह भी स्पष्ट हो गया कि मेडिक्लेम में फेमेटो लेजर सर्जरी संभव है।

भ्रटाचार के मुद्दे पर नगर निगम का घेराव करने पहुंचे कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता

नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ सोमवार सुबह 11 बजे कांग्रेस ने तय कार्यक्रम अनुसार नगर निगम कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान धीर-धीरे कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटना शुरू हो गई है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष विनय बाकलीवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता घेराव और धरना स्थल पर पहुंच गए हैं।

इन मुद्दों पर कर रहे नगर निगम का घेराव

- नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार - कांग्रेस पार्षदों के साथ भेदभाव करना - भाजपा के हारे हुए पार्षद प्रत्याशियों को भी बैठक में आमंत्रित करना - एलईडी लाइट का बंटवारा सिर्फ भाजपा के वार्डों में - अवैध निर्माण - पानी के टैंकर पर फिजूलखर्ची - वार्ड की समस्याओं का निराकरण ना करना - स्ट्रीट लाइट, आवारा पशु - पानी के बेतहाशा बिल देना

महापौर सम्मेलन में इंदौर की स्वच्छता की रहेगी गूंज-देश में पांच बार परचम लहराने वाले इंदौर के गुर जानेंगे मेहमान; प्रेजेंटेशन होगा

स्वच्छता के मामले में देश में पांच बार परचम लहराने वाले इंदौर का गुजरात में 20 व 21 सितम्बर को आयोजित महापौरों के सम्मेलन में प्रेजेंटेशन होगा। सम्मेलन में मप्र सहित देशभर के महापौर आएंगे और इंदौर ने किस तरह स्वच्छता में मुकाम हासिल किया, इसके गुर जानेंगे। सम्मेलन में महापौर पुष्यमित्र भार्गव शामिल होंगे। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल आदि उपस्थित रहेंगे जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली रूप से शामिल होंगे।

सम्मेलन में इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव के अलावा भोपाल, बुरहानपुर, सागर, उज्जैन, खंडवा, सतना, देवास और रतलाम के महापौर भी शामिल होंगे। इंदौर के लिए यह गौरव की बात है कि सम्मेलन में इंदौर के स्वच्छता का विषय होगा। दो दिनी इस सम्मेलन में शामिल सभी महापौर अपने शहर के विकास, नवाचार आदि साझा करेंगे ताकि एक-दूसरे शहर को नई दिशा मिल सके। सम्मेलन का मकसद ही शहरों के विकास के तरीकों व अन्य मुद्दों को लेकर प्लानिंग साझा करना है।

जीएनटी मार्केट भीषण आग

पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने काबू

इंदौर। जीएनटी मार्केट में लकड़ी के दो कारखानों में भीषण आग लग गई, जिसने दो लकड़ी के पीठों को भी अपनी चपेट में ले लिया। भीषण आग से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों की टीम ने करीब पांच घंटे की मशक्कत कर चारों ओर से आग पर काबू पाया। इस आग में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम के अनुसार आज तड़के करीब साढ़े 4 बजे सूचना मिली थी कि धार रोड स्थित जीएनटी मार्केट में भीषण आग लगी है। सूचना पर फायर फाइटर वाहनों के साथ दमकलकर्मियों की टीम को मौके पर रवाना किया गया। टीम के पहुंचने के पहले ही आग काफी फैल चुकी थी। टीम ने आग के चारों तरफ से पानी का प्रेशर डाल आग बुझाने की कोशिश की वहीं एक टीम ने कारखानों में लगे शटरों को काट वहां से आग बुझाने का काम शुरू किया।

आग अंजनी डोर के कारखाने में लगी थी। अंजनी डोर के संचालक ने बताया कि उनका भी एक कारखाना यहां पर है। आग को बुझाने में करीब 15 दमकलकर्मी, पांच फायर की गाडियां, निगम के पानी के टैंकर लगे। दमकलकर्मी करीब पांच घंटे तक आग बुझाने का काम करते रहे, लेकिन सूखी लकडियां होने से टीमों को काफी मशक्कत करना पड़ रही थी।

आग कैसे लगी इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि दो कारखानों में आग लगी। वहीं कुछ ही देर में आसपास आग फैल गई और अंदर के दो पीठों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग में चार गोदाम व अंदर पीठे में काफी ज्यादा का नुकसान बताया जा रहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)